



एग्री आर्टिकल्स

(कृषि लेखों के लिए ई-पत्रिका)

वर्ष: 04, अंक: 04 (जुलाई-अगस्त, 2024)

www.agriarticles.com पर ऑनलाइन उपलब्ध

© एग्री आर्टिकल्स, आई. एस. एन.: 2582-9882

पॉलीहाउस खेती के लाभ

(गौरव मेहता एवं कार्तिक सालवी)

मृदा विज्ञान और कृषि रसायन विज्ञान विभाग, आरसीए (एमपीयूएटी), उदयपुर -313001, राजस्थान

संवादी लेखक का ईमेल पता: gauravmehta2541@gmail.com

पॉलीहाउस खेती (Polyhouse Farming) एक आधुनिक कृषि तकनीक है जो नियंत्रित वातावरण में फसलों की वृद्धि को सुनिश्चित करती है। इस तकनीक में, पौधों को एक संरचित ढांचे के तहत रखा जाता है, जो पॉलीथीन या अन्य सिंथेटिक सामग्री से बना होता है। इस विधि के कई लाभ हैं, जो इसे पारंपरिक खेती की तुलना में अधिक आकर्षक बनाते हैं। यहाँ पॉलीहाउस खेती के प्रमुख लाभ विस्तार से बताए गए हैं:

1. जलवायु नियंत्रण

- अनुकूल वातावरण:** पॉलीहाउस में तापमान, आर्द्रता और प्रकाश को नियंत्रित किया जा सकता है, जिससे पौधों को पूरे वर्ष एक स्थिर और आदर्श वातावरण मिल सकता है। यह विभिन्न मौसमीय परिस्थितियों के प्रभाव को कम करता है।
- सर्दी और गर्मी से सुरक्षा:** अत्यधिक ठंड या गर्मी के मौसम में पॉलीहाउस खेती से फसलों को बचाया जा सकता है, जिससे पौधों की वृद्धि और उत्पादन पर कोई प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ता।

2. उत्पादन में वृद्धि

- उच्च उपज:** नियंत्रित वातावरण में फसलों की बेहतर वृद्धि और विकास होता है, जिससे उपज में वृद्धि होती है। पॉलीहाउस खेती से प्रति वर्ग मीटर अधिक फसल प्राप्त की जा सकती है।
- फसल का गुणस्तर:** फसलों की गुणवत्ता में सुधार होता है, क्योंकि पौधों को किसी भी बाहरी जलवायु के प्रभाव से बचाया जाता है।

3. कीट और रोग नियंत्रण

- कीटों से सुरक्षा:** पॉलीहाउस की बंद संरचना की वजह से कीटों और रोगों का प्रवेश कम होता है, जिससे फसलों को स्वाभाविक रूप से कम रसायनों की आवश्यकता होती है।
- कम रसायन उपयोग:** कम कीट और रोगों की वजह से कीटनाशकों और फफूंदनाशकों का उपयोग कम होता है, जिससे फसल की गुणवत्ता और सुरक्षा में सुधार होता है।

4. जल संरक्षण

- **नियंत्रित सिंचाई:** पॉलीहाउस में सिंचाई की विधियाँ जैसे ड्रिप सिंचाई का उपयोग करके पानी की बचत की जा सकती है, क्योंकि पानी सीधे पौधों की जड़ों तक पहुँचता है।
- **जल पुनर्चक्रण:** पॉलीहाउस में जल पुनर्चक्रण की प्रक्रिया लागू की जा सकती है, जिससे पानी की बर्बादी कम होती है।

5. फसल का सालभर उत्पादन

- **वर्षभर उत्पादन:** पॉलीहाउस खेती से आप साल भर फसलों का उत्पादन कर सकते हैं, क्योंकि यहाँ मौसम की कोई बाधा नहीं होती। यह बाजार में निरंतर आपूर्ति सुनिश्चित करता है और किसानों को स्थिर आय प्रदान करता है।

6. ऊर्जा दक्षता

- **ऊष्मा संरक्षण:** पॉलीहाउस संरचना में ऊष्मा का संरक्षण किया जा सकता है, जिससे सर्दी के मौसम में कम ऊर्जा की आवश्यकता होती है।
- **सौर ऊर्जा का उपयोग:** पॉलीहाउस की पारदर्शिता सौर ऊर्जा के उपयोग की अनुमति देती है, जिससे ऊर्जा की खपत कम होती है।

7. भूमि का कुशल उपयोग

- **सघन खेती:** पॉलीहाउस में फसलों को अधिक घनत्व के साथ लगाया जा सकता है, जिससे भूमि का अधिक कुशल उपयोग होता है।
- **छोटे स्थान पर अधिक उत्पादन:** छोटे क्षेत्रों में भी अधिक उत्पादन संभव होता है, जिससे शहरी और उपनगरीय क्षेत्रों में भी खेती की जा सकती है।

8. कृषि अनुसंधान और विकास

- **नवाचार:** पॉलीहाउस खेती में नए किस्मों और कृषि तकनीकों का परीक्षण करना आसान होता है। यह कृषि अनुसंधान और विकास को बढ़ावा देता है।
- **नियंत्रित वातावरण में प्रयोग:** नई कृषि विधियों और उर्वरकों का परीक्षण नियंत्रित वातावरण में किया जा सकता है, जिससे बेहतर परिणाम मिलते हैं।

9. कम श्रम की आवश्यकता

- **स्वचालित सिस्टम:** पॉलीहाउस में सिंचाई, तापमान नियंत्रण, और अन्य प्रबंधन कार्य स्वचालित हो सकते हैं, जिससे श्रम की आवश्यकता कम होती है।

10. पर्यावरणीय लाभ

- **कम प्रदूषण:** पॉलीहाउस खेती में कीटनाशकों और रसायनों का उपयोग कम होता है, जिससे पर्यावरण पर नकारात्मक प्रभाव कम होता है।
- **ग्रीनहाउस गैसों की कमी:** नियंत्रित वातावरण से ग्रीनहाउस गैसों के उत्सर्जन को कम किया जा सकता है, जिससे पर्यावरण संरक्षण में योगदान होता है।

पॉलीहाउस खेती आधुनिक कृषि का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है, जो फसल उत्पादन, पर्यावरणीय संरक्षण, और संसाधन प्रबंधन में क्रांतिकारी सुधार प्रदान करता है। इसके विभिन्न लाभ, जैसे कि जलवायु नियंत्रण, उच्च उपज, कीट और रोग नियंत्रण, और वर्षभर उत्पादन, इसे पारंपरिक खेती की तुलना में एक

प्रभावी और लाभकारी विकल्प बनाते हैं। किसानों और कृषि उद्यमियों के लिए पॉलीहाउस खेती एक बेहतर और स्थिर भविष्य की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम हो सकती है।



पॉलीहाउस

राजस्थान सरकार की पॉलीहाउस योजना

राजस्थान सरकार ने कृषि क्षेत्र में नवाचार और प्रौद्योगिकी के उपयोग को बढ़ावा देने के लिए पॉलीहाउस खेती को प्रोत्साहित करने के लिए कई योजनाएँ बनाई हैं। पॉलीहाउस खेती के माध्यम से किसान अत्यधिक नियंत्रित वातावरण में फसलों की उत्पादन क्षमता को बढ़ा सकते हैं। यहाँ राजस्थान सरकार की पॉलीहाउस योजना के प्रमुख बिंदुओं को विस्तार से प्रस्तुत किया गया है:

1. योजना का उद्देश्य

- **उच्च उत्पादन:** पॉलीहाउस खेती से किसानों को सीमित भूमि पर अधिक उपज प्राप्त करने में सहायता मिलती है।
- **जलवायु नियंत्रण:** अनियंत्रित मौसम के प्रभाव को कम करके किसानों को पूरे साल फसल उत्पादन की सुविधा प्रदान करना।
- **फसल की गुणवत्ता:** फसलों की गुणवत्ता में सुधार और कीटों और रोगों के नियंत्रण के लिए एक आदर्श वातावरण प्रदान करना।

2. योजना की विशेषताएँ

- **प्रस्तावना:** पॉलीहाउस योजना के तहत सरकार किसानों को पॉलीहाउस निर्माण के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करती है। इसमें पॉलीहाउस की स्थापना, आवश्यक उपकरण और अन्य खर्च शामिल होते हैं।
- **सहायता राशि:** किसानों को पॉलीहाउस निर्माण के लिए अनुदान या सब्सिडी प्रदान की जाती है। यह सहायता राशि विभिन्न श्रेणियों में विभाजित होती है, जैसे कि छोटे और बड़े पॉलीहाउस के लिए विभिन्न रेट्स।

3. पात्रता मानदंड

- **किसान:** योजना का लाभ लेने के लिए आवेदक को एक सक्रिय और पंजीकृत किसान होना चाहिए।

- **भूमि का आकार:** पॉलीहाउस लगाने के लिए न्यूनतम भूमि क्षेत्र की आवश्यकताएँ हो सकती हैं। आमतौर पर, यह योजना छोटे से लेकर बड़े किसानों के लिए होती है।

4. आवेदन प्रक्रिया

1. **आवेदन पत्र:** किसान को पॉलीहाउस योजना के लिए आवेदन पत्र भरना होता है। यह आवेदन पत्र संबंधित कृषि विभाग या जिला कृषि अधिकारी के कार्यालय में प्राप्त किया जा सकता है।
2. **दस्तावेज़:** आवेदन के साथ किसान को अपनी भूमि के कागजात, पहचान पत्र, और अन्य आवश्यक दस्तावेज़ संलग्न करने होते हैं।
3. **सर्वेक्षण और अनुमोदन:** आवेदन प्राप्त होने के बाद, एक टीम द्वारा स्थल का निरीक्षण किया जाता है और योजनानुसार अनुमोदन दिया जाता है।

5. अनुदान और सब्सिडी

- **अनुदान राशि:** पॉलीहाउस के निर्माण पर सरकार द्वारा प्रदान की जाने वाली अनुदान राशि एक निश्चित प्रतिशत होती है जो कुल लागत का हिस्सा होती है।
- **सब्सिडी:** कुछ हिस्से की लागत सरकार द्वारा सब्सिडी के रूप में प्रदान की जाती है, जिससे किसानों को कम लागत पर पॉलीहाउस निर्माण की सुविधा मिलती है।

6. प्रशिक्षण और मार्गदर्शन

- **प्रशिक्षण:** किसानों को पॉलीहाउस खेती के लिए आवश्यक प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है, जिसमें तकनीकी जानकारी, खेती के तरीके, और उपकरणों का उपयोग शामिल है।
- **मार्गदर्शन:** योजना के अंतर्गत किसान को कृषि विभाग द्वारा निरंतर मार्गदर्शन और तकनीकी सहायता प्रदान की जाती है।

7. योजना के लाभ

- **उच्च उपज:** पॉलीहाउस खेती से उपज में सुधार होता है, जिससे किसानों की आय बढ़ती है।
- **कीट और रोगों से सुरक्षा:** नियंत्रित वातावरण के कारण कीट और रोगों का प्रभाव कम होता है।
- **जलवायु के प्रभाव से सुरक्षा:** अनियंत्रित मौसम से फसलों की सुरक्षा होती है, जिससे निरंतर उत्पादन सुनिश्चित होता है।

8. संपर्क जानकारी

- **जिला कृषि अधिकारी:** किसानों को योजना के बारे में जानकारी प्राप्त करने और आवेदन करने के लिए जिला कृषि अधिकारी के कार्यालय से संपर्क करना होता है।
- **कृषि विभाग की वेबसाइट:** राजस्थान सरकार की कृषि विभाग की वेबसाइट पर भी योजना के विवरण, आवेदन पत्र, और अन्य जानकारी उपलब्ध होती है।

निष्कर्ष

राजस्थान सरकार की पॉलीहाउस योजना किसानों को आधुनिक कृषि तकनीक अपनाने में मदद करती है, जिससे वे बेहतर उत्पादन, उच्च गुणवत्ता की फसल, और स्थिर आय सुनिश्चित कर सकते हैं। इस योजना के तहत प्राप्त सहायता और प्रशिक्षण से किसान पॉलीहाउस खेती के लाभ उठा सकते हैं और अपनी कृषि गतिविधियों को बेहतर बना सकते हैं।